5(A) → औद्योगिक प्रदेश ऐसे क्षेत्रों को कहा जाता है, जहाँ उद्योग स्थापित करने संबंधी अनुकूल भौगोलिक अनुकूल दशायें विद्यमान हों। इन्हीं आधारों पर भारत में कई औद्योगिक प्रदेशों का सीमांकन किया गया है।

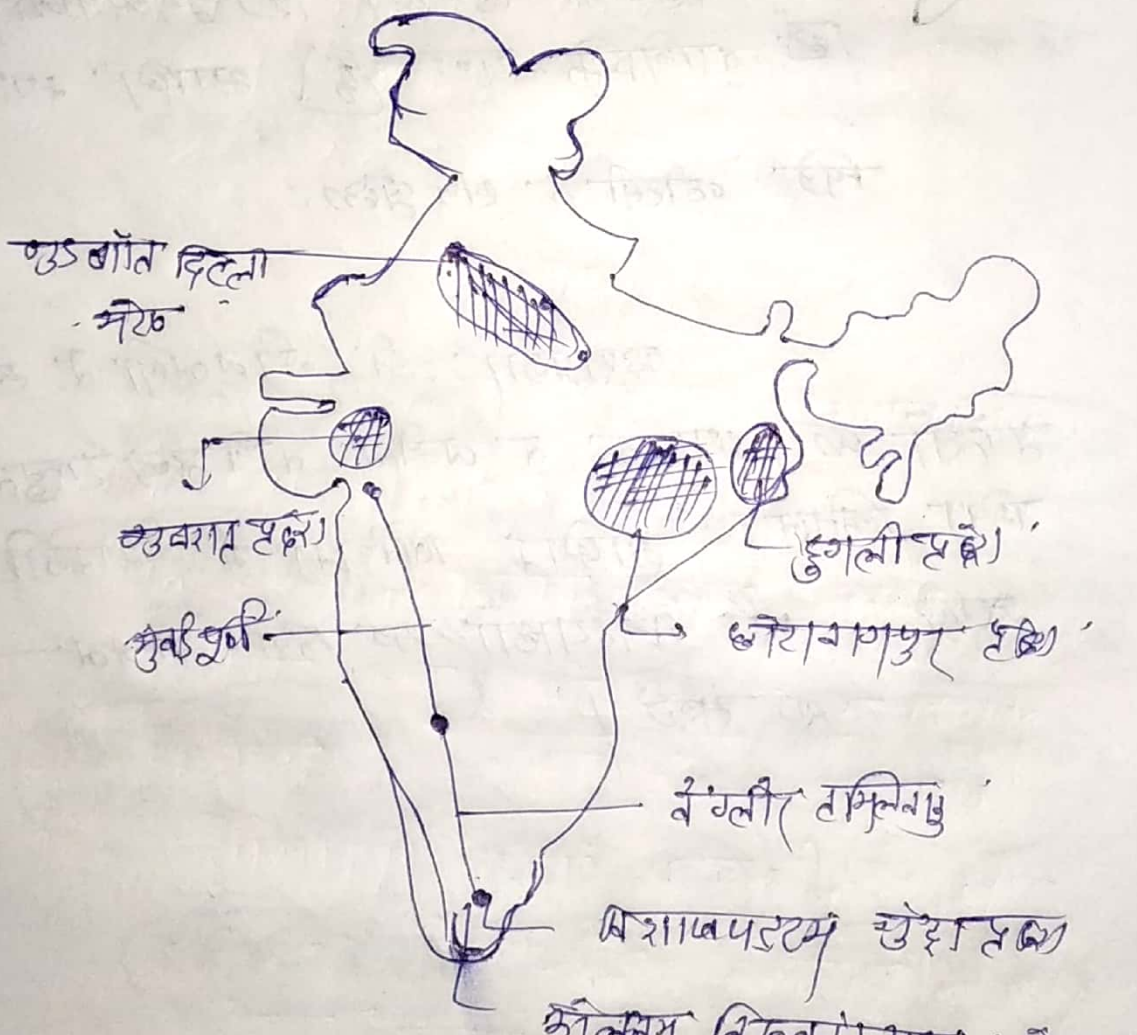

भारत के 8 औद्योगिक प्रदेश

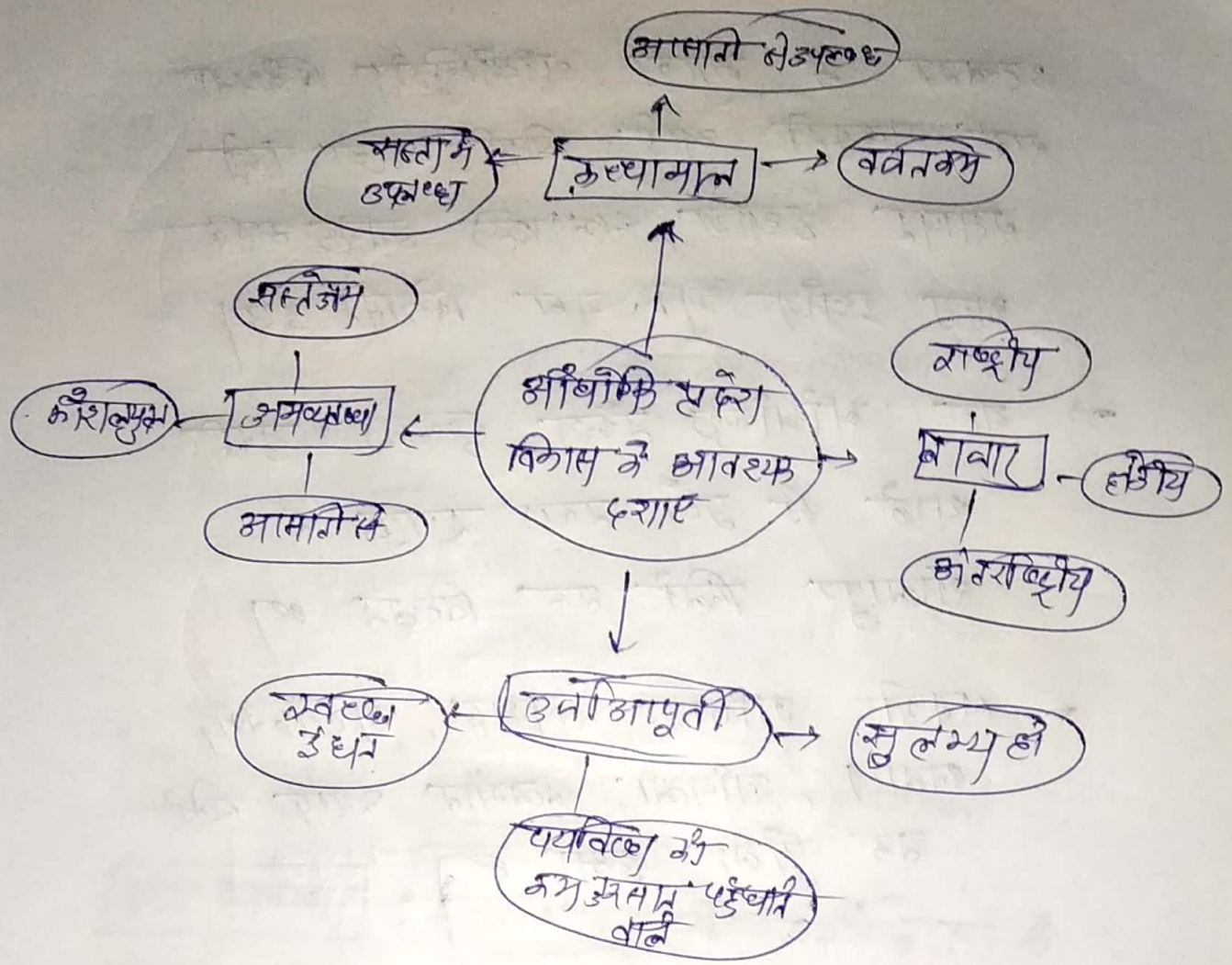

(१) मुंबई पुणे औद्योगिक प्रदेश :-

- मुंबई में सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना। एवं औपनिवेशिक काल में व्यापारिक महत्व के चलते इस प्रदेश का विकास हुआ।
- निकटवर्ती क्षेत्रों से कच्चा माल के रूप में कपास की प्राप्ति
- मुंबई हाई में पेट्रोलियम की खोज एवं

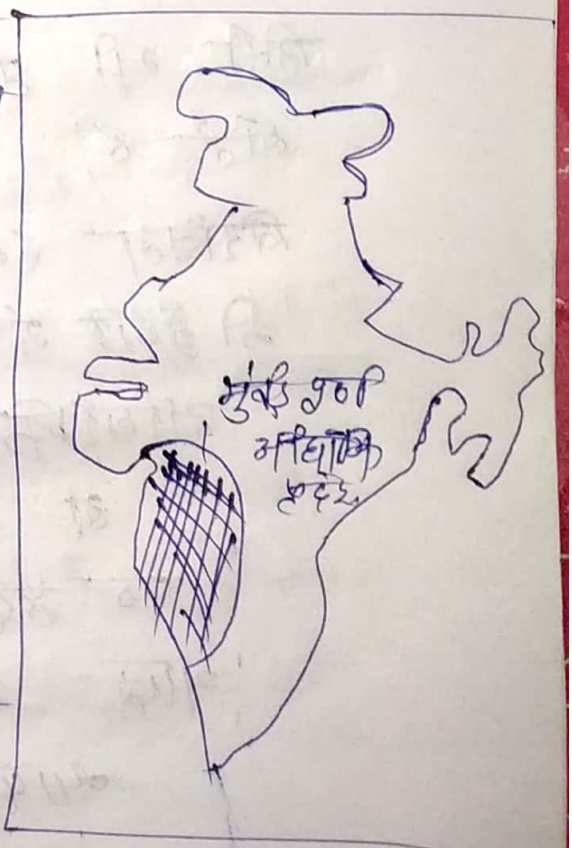

उत्खनन के कारण औद्योगिक विविधता एवं मजबूती आई जिसके कारण पेट्रो रसायन उद्योग, प्लास्टिक उर्वरक आदि अन्य उद्योग भी यहां विकसित हुए।

→ यह औद्योगिक प्रदेश मुख्यतः मुंबई थाने से पुणे तथा नासिक व शोलापुर जिले तक विस्तृत है।

• वडोदरा, रायगढ़, अहमदनगर, सतारा, सांगली, जलगांव आदि जिले तक फैला हुआ है।

इस प्रकार औद्योगिक प्रदेश किसी भी प्रदेश के विकास का सूचक होते हैं, हालांकि इनकी संरचनात्मक विशेषता इसे विकासशील या विकसित की श्रेणी में रखता है, भारत में औद्योगिक प्रदेश विकास के प्रारंभिक व विकासशील अवस्था में है। प० प्रदेशों की तुलना में इन भारत के अर्थव्यवस्था में इनका व्यापक महत्व है।

Scanned with CamScanner

5(B) किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में वहाँ के परिवहन का अत्यंत व्यापक व महत्वपूर्ण योगदान होता है, भारत में तीनों तरह की परिवहन व्यवस्था उपलब्ध है।

त्रि परिवहन
- रोड व्यवस्था
- रेल व्यवस्था
- जलीय परिवहन

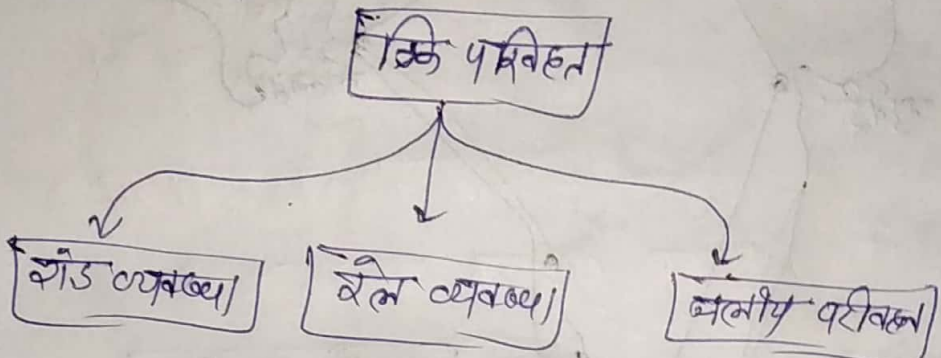

रोड व्यवस्था :- भारत में कई तरह के रोड परिवहन व्यवस्था मौजूद है।
- राज्यस्तर पर
- राष्ट्रीय स्तर पर
- क्षेत्रीय स्तर पर

* **राष्ट्रीय स्तर** :- यहाँ कई राजमार्ग निर्मित किये गये हैं, जिसकी निगरानी (NHAI - National Highway Authority of India) करती है।

Scanned with CamScanner

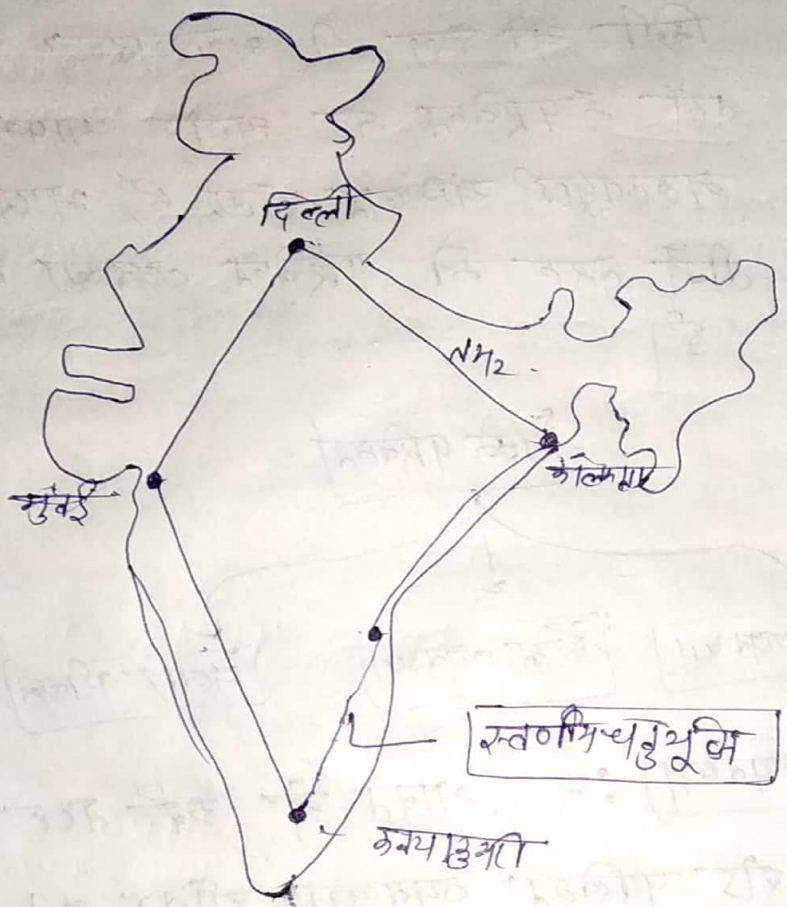

इसप्रकार

राज्यस्तर पर :- राज्यस्तर पर भी राज्य सरकार के निगरानी में कई राज्य व्यवस्था संचालित

क्षेत्रीय स्तर :- क्षेत्रीय स्तर पर इसको निगरानी औ राज्यसरकार द्वारा होकी जाती है

कई राज्य इसमें शामिल

जैसे - प० बंगाल, बिहार आदि

Scanned with CamScanner

जलपरिवहन :- भारत में 5 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं।

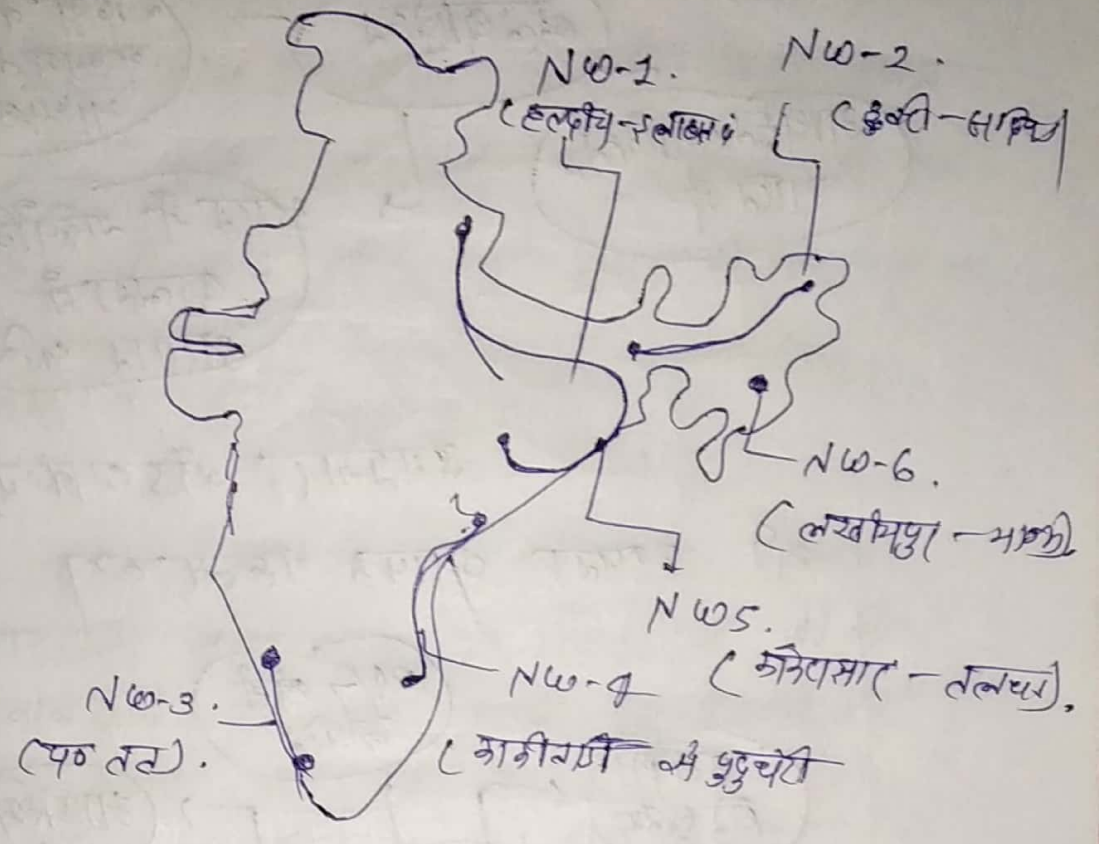

इसी प्रकार रेलमार्ग की भी प्रमुख स्थिति बनाता है। भारत में निम्न कई महत्वपूर्ण योगदान है।

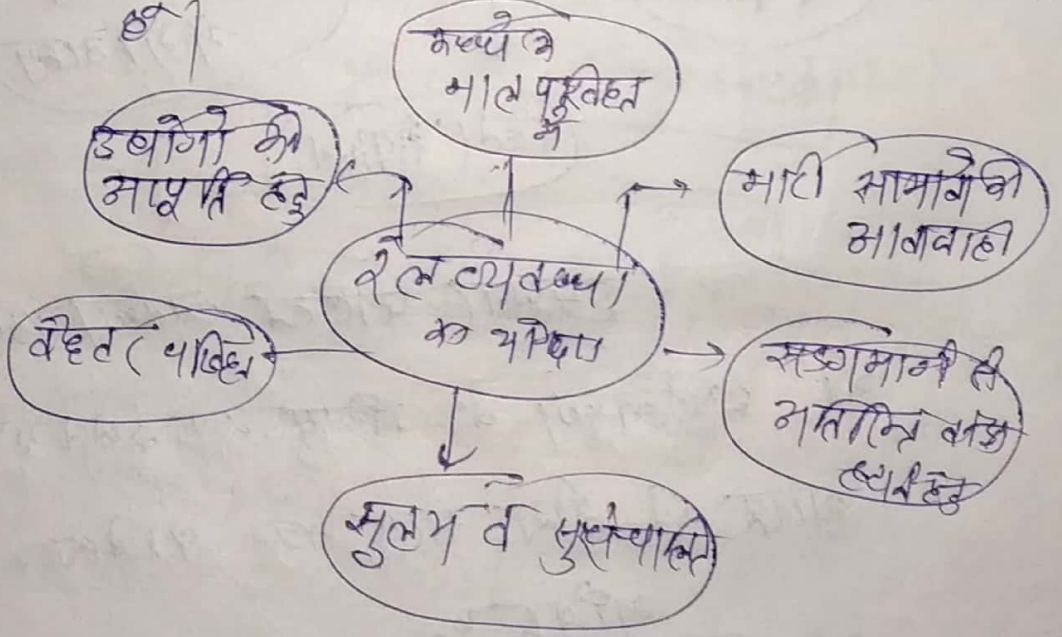

Scanned with CamScanner

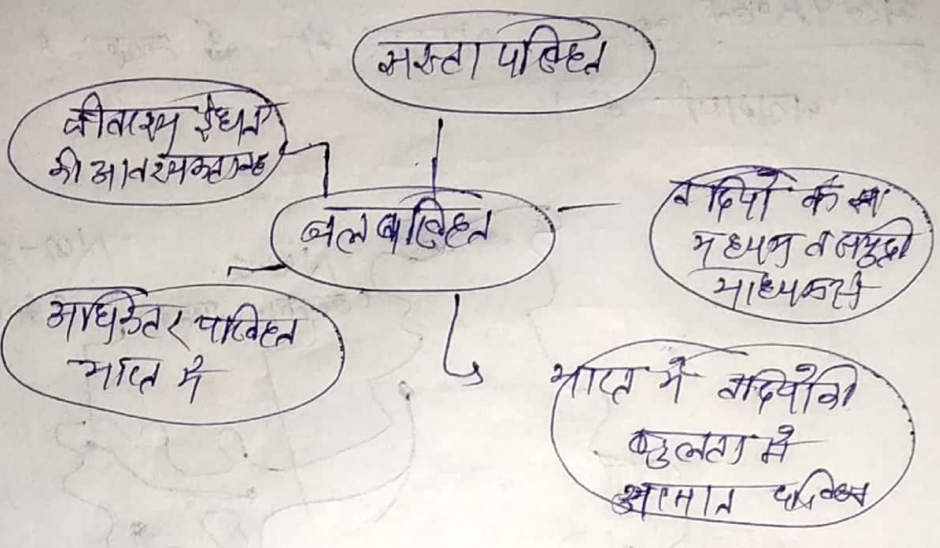

इसप्रकार रोड व्यवस्था का भी अपना व्यापक महत्व है।

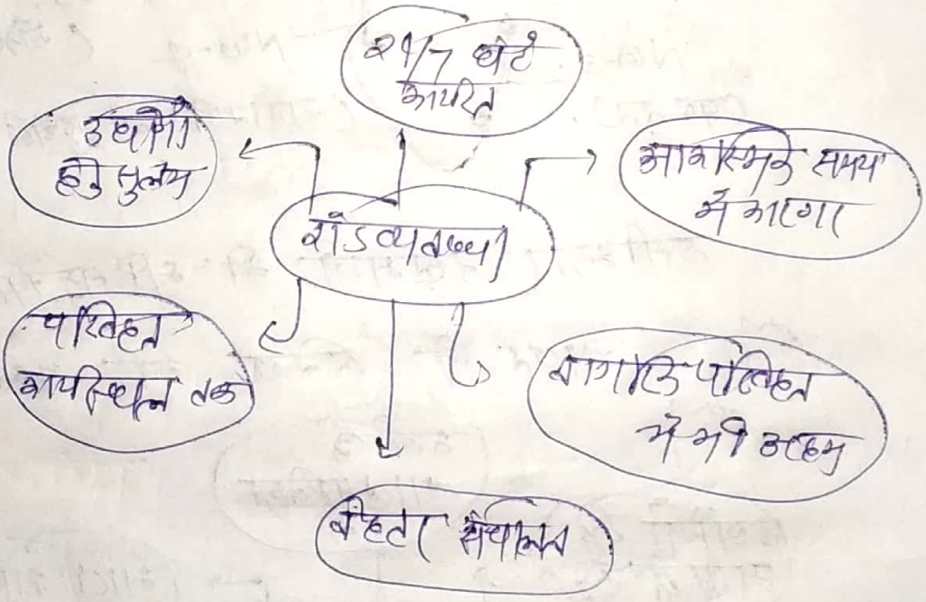

इसप्रकार परिवहन व्यवस्था किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन है भारत की तीव्र वृद्धि का परिवहन भी मूल है।